ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, शुक्रवार 29 मई 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 3 अंक 50

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी: NEET-UG पेपर लीक पर NTA को फटकार, जवाबदेही पर उठे बड़े सवाल



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा NEET-UG में सामने आए पेपर लीक मामले पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने साफ कहा कि जब तक जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक इस तरह की घटनाएं रुकना मुश्किल है। सुनवाई के दौरान अदालत ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) से तीखे सवाल किए और पूछा कि जब UPSC जैसी संस्थाएं इतने बड़े स्तर पर परीक्षाएं बिना किसी पेपर लीक के सफलतापूर्वक आयोजित करती हैं, तो NTA उनसे क्या सीख ले रही है।

'सुधारों के बावजूद नाकामी क्यों?' - कोर्ट का सवाल

मामले की सुनवाई कर रहे जस्टिस नरसिम्हा ने हाई-पावर मॉनिटरिंग कमेटी के प्रमुख और पूर्व इसरो प्रमुख डॉ. के. राधाकृष्णन से सवाल किया कि सुधार और सिफारिशों के बावजूद इस बार फिर पेपर लीक जैसी स्थिति क्यों बनी। डॉ. राधाकृष्णन ने बताया कि कमेटी की अधिकांश सिफारिशें लागू की जा चुकी हैं और NEET-PG 2025 सफल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि इस बार सामने आई खामियों को आगामी री-एग्जाम से पहले दूर किया जा रहा है।

सरकार का पक्ष और सुरक्षा सुधारों का दावा

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि सरकार छात्रों को लेकर गंभीर है और प्रधानमंत्री स्वयं इस पूरे मामले की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पेपर लीक के बाद परीक्षा प्रणाली में कई स्तरों पर सुधार किए गए हैं और 21 जून को होने वाले री-एग्जाम के लिए नया सुरक्षा ढांचा तैयार किया गया है।

कोर्ट की सख्त टिप्पणी

अदालत ने कहा कि NTA अभी एक मजबूत और स्थायी संस्था की तरह काम नहीं कर रही है। कोर्ट ने सुझाव दिया कि परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने के लिए NTA को आईआईटी और अन्य शीर्ष संस्थानों के विशेषज्ञों की मदद लेनी चाहिए। जस्टिस नरसिम्हा ने कहा कि जवाबदेही तय किए बिना सुधारों का कोई वास्तविक असर नहीं होगा। उन्होंने यह भी कहा कि संस्थाओं को एड-हॉक तरीके से नहीं चलाया जा सकता, बल्कि एक मजबूत संस्थागत ढांचा तैयार करना जरूरी है ताकि छात्रों की मेहनत और भावनाएं सुरक्षित रह सकें।

पहले भी हो चुकी थी सख्त टिप्पणी

इससे पहले भी 25 मई की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने NTA को फटकार लगाते हुए कहा था कि 2024 के पेपर लीक मामले से कोई सबक नहीं लिया गया। कोर्ट ने केंद्र सरकार, NTA और जांच एजेंसियों से जवाब मांगा था कि पिछले निर्देशों पर क्या कार्रवाई हुई।

जांच और आगे की स्थिति

CBI इस मामले की जांच कर रही है और अब तक 13 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। 3 मई को हुई परीक्षा के बाद 7 मई को पेपर लीक की खबर सामने आई थी। इसके बाद 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी गई और 21 जून को री-एग्जाम तय किया गया है।

कॉकरोच जनता पार्टी के X अकाउंट ब्लॉकिंग पर दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र और X को नोटिस जारी किया



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संस्थापक अभिजीत दिपके की याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और X को नोटिस जारी किया है। याचिका में CJP के X अकाउंट को ब्लॉक किए जाने के फैसले को चुनौती दी गई है। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने फिलहाल अकाउंट को दोबारा सक्रिय करने का कोई अंतरिम आदेश देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि इस तरह का कोई भी निर्णय लेने से पहले सरकार का पक्ष सुनना आवश्यक है, क्योंकि इसका व्यापक प्रभाव हो सकता है। यह मामला न्यायमूर्ति जस्टिस पुरुषेन्द्र कुमार कौरव की बेंच के समक्ष आया। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता का पक्ष महत्वपूर्ण है, लेकिन बिना सरकार और संबंधित पक्षों को सुने कोई आदेश देना उचित नहीं होगा।

रिव्यू कमेटी से भी जांच के निर्देश

कोर्ट ने ब्लॉकिंग आदेश की समीक्षा कराने के निर्देश भी दिए हैं। अदालत ने कहा कि नियमों के तहत गठित रिव्यू कमेटी हर दो महीने में ऐसे मामलों की समीक्षा करती है और उसे ब्लॉकिंग से जुड़े सभी पहलुओं की जांच करनी चाहिए। बेंच ने टिप्पणी की कि कमेटी सभी तथ्यों की जांच कर अपना निर्णय रिकॉर्ड पर रखेगी। साथ ही याचिकाकर्ता अभिजीत दिपके को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कमेटी के सामने पेश होने की अनुमति पर भी विचार किया जा सकता है।

CJP का दावा और तर्क

याचिकाकर्ता अभिजीत दिपके ने तर्क दिया कि CJP एक राजनीतिक और सामाजिक व्यंग्य (सटायर) आधारित पहल है और यदि कुछ पोस्ट आपत्तिजनक हैं तो केवल उन पोस्ट को हटाया जाना चाहिए, न कि पूरे अकाउंट को ब्लॉक किया जाए। उनका कहना है कि ऐसे मामलों में पहले भी अदालतों ने राहत दी है।

कोर्ट की टिप्पणी

कोर्ट ने कहा कि फिलहाल ब्लॉकिंग ऑर्डर की वजह पूरी तरह स्पष्ट नहीं है और न ही याचिकाकर्ता या अदालत के सामने पूरा रिकॉर्ड रखा गया है। अदालत ने यह भी कहा कि यह मामला शुरुआती कानूनी चरण में है, इसलिए केवल नोटिस जारी किया जा सकता है।

सरकार का पक्ष

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि बिना सरकार का पक्ष सुने कोई आदेश नहीं दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर पूरा रिकॉर्ड और ब्लॉकिंग ऑर्डर कोर्ट के समक्ष पेश किया जाएगा, ताकि स्थिति स्पष्ट हो सके।

राजस्थान में तपिश के बीच मौसम ने बदला मिजाज, कहीं बारिश-ओले तो कहीं धूलभरी आंधी; कई जिलों में नुकसान



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राजस्थान में भीषण गर्मी और नौतपा की तपिश के बीच शुक्रवार को मौसम ने अचानक करवट ले ली। राजधानी जयपुर समेत बीकानेर, चूरू, धौलपुर, अलवर और झुंझुनूं सहित कई जिलों में बारिश हुई। कुछ इलाकों में ओलावृष्टि भी दर्ज की गई, जबकि कई जगह धूलभरी आंधी ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। झुंझुनूं जिले में तेज अंधड़ के दौरान आसमान में धूल का गुबार छा गया, जिससे विजिबिलिटी काफी कम हो गई और दिन में ही अंधेरा जैसा माहौल बन गया। वहीं कोटपूतली-बहरोड़ के बानसूर क्षेत्र में तेज आंधी के कारण पेड़ और बिजली के पोल गिर गए। पीडब्ल्यूडी परिसर में लगे दो पेड़ एक मकान पर जा गिरे, जिससे मकान को नुकसान पहुंचा। करीब आधे घंटे तक चली तेज हवाओं के कारण कई इलाकों में साइन बोर्ड उखड़ गए और घरों-दुकानों पर लगे टिनशेड उड़ गए। मौसम बदलने के बाद कई जिलों में लोगों को भीषण गर्मी से कुछ राहत जरूर मिली।

गर्मी से राहत देने सड़क पर उतरी फायर ब्रिगेड भीलवाड़ा में नगर निगम प्रशासन ने लोगों को गर्मी से राहत देने के लिए मुख्य सड़कों पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियों से पानी का छिड़काव कराया। वहीं मौसम विभाग ने उत्तर-पूर्वी राजस्थान के जिलों में अंधड़, बारिश और ओलावृष्टि को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार यह सिस्टम 1 जून तक सक्रिय रहेगा।

गुरुवार रहा सबसे गर्म दिन

मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को जयपुर में इस सीजन का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया, जहां तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। श्रीगंगानगर में अधिकतम तापमान 47.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ, जबकि चूरू में 46.5, कोटा और पिलानी में 46.4, जैसलमेर और फलोदी में 46 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

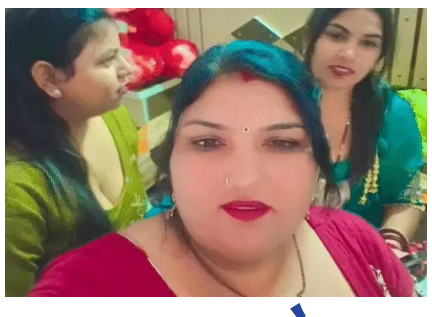
IIT बॉम्बे की रिपोर्ट ने बढ़ाई चिंता

आईआईटी बॉम्बे की हालिया रिपोर्ट ने राजस्थान में बढ़ती गर्मी और हीटवेव को लेकर चिंता बढ़ा दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि प्रदेश के शहरों में "हीट आइलैंड" तेजी से बढ़ रहे हैं, यानी शहरी क्षेत्रों का तापमान आसपास के ग्रामीण इलाकों की तुलना में कई डिग्री अधिक हो रहा है। अध्ययन में उदयपुर को सबसे अधिक प्रभावित शहरों में शामिल बताया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक बढ़ती गर्मी और हीटवेव के कारण हर साल मौतों का आंकड़ा भी बढ़ रहा है। सरकारी आंकड़ों में जहां पांच से छह मौतें दर्ज होती हैं, वहीं दूसरी रिपोर्टों में यह संख्या 15 से अधिक बताई गई है।

अगले तीन दिन बारिश की संभावना

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय होने से अगले तीन दिन तक प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश और आंधी का दौर जारी रह सकता है। इससे तापमान में दो से तीन डिग्री तक गिरावट आने और लू के असर में कमी की संभावना जताई गई है।

इंस्टाग्राम से हनीट्रैप तक का जाल: अश्लील रील्स, फर्जी मुलाकातें और ब्लैकमेलिंग का 'डिजिटल गिरोह' बेनकाब



24 न्यूज अपडेट

हरियाणा। फतेहाबाद में हनीट्रैप और ब्लैकमेलिंग के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है, जिसमें पुलिस ने कथित मास्टरमाइंड सुमन सिवाच को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि इस पूरे गिरोह की कमान सुमन के हाथ में थी, जबकि उसकी बहन रितु सिवाच पहले ही पुलिस की गिरफ्त में आ चुकी है। पुलिस के अनुसार सुमन और रितु सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर काफी सक्रिय रहती थीं और वहीं से कथित तौर पर लोगों को अपने जाल में फंसाया जाता था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सुमन के इंस्टाग्राम अकाउंट पर लगभग 46,800 फॉलोअर्स हैं और वह मार्च 2025 से अब तक 900 से अधिक पोस्ट कर चुकी थी। पुलिस का दावा है कि इनमें से कई वीडियो के जरिए लोगों को आकर्षित किया जाता था। गिरफ्तारी से पहले सुमन अपने चार बच्चों के साथ भिवानी में किराए के मकान में रह रही थी और गिरफ्तारी के समय वह रोडवेज बस से फतेहाबाद लौट रही थी। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर उसे दबोच लिया। उसके खिलाफ राजस्थान के भिरानी थाना क्षेत्र में भी केस दर्ज होने की जानकारी सामने आई है, जिसमें जबरन वसूली, धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश जैसे आरोप शामिल हैं।

कैसे रचा गया कथित हनीट्रैप का जाल मामले की शुरुआत एक ऐसे व्यक्ति से हुई जो शादी न होने से परेशान था। पीड़ित सतपाल (उम्र लगभग 40–42 वर्ष) को उसके पड़ोसी ने फतेहाबाद की एक महिला से शादी कराने का भरोसा दिया। इसके बाद उसे रितु सिवाच से मिलवाया गया, जिसने धीरे-धीरे संपर्क बढ़ाकर आर्थिक मदद के नाम पर पैसे लेना शुरू कर दिया। पीड़ित के अनुसार उससे करीब 3.5 लाख रुपये अलग-अलग बहानों से लिए गए। 6 मई की रात उसे एक कॉलोनी स्थित मकान में बुलाया गया, जहां एक लड़की से मुलाकात कराने की बात कही गई थी। पीड़ित का आरोप है कि इसी दौरान कुछ लोग पहुंचे और उसे झूठे आरोपों में फंसाने की धमकी देकर वीडियो बनाने की कोशिश की गई। इसके बाद उससे पैसे की मांग की गई। अगले दिन पीड़ित ने पूरी घटना अपने परिजनों को बताई, जिसके बाद मामला पुलिस अधीक्षक के संज्ञान में लाया गया और जांच शुरू हुई।

पुलिस की कार्रवाई और गिरफ्तारी

एसपी के निर्देश पर डीएसपी स्तर पर एसआईटी गठित की गई, जिसने कार्रवाई करते हुए पहले रितु सिवाच और दो पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया था। बाद में जांच आगे बढ़ने पर सुमन सिवाच को भी गिरफ्तार किया गया। मामले में अन्य संदिग्धों की तलाश जारी है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि इस पूरे प्रकरण में सोशल मीडिया, खासकर इंस्टाग्राम का इस्तेमाल संपर्क और ट्रैप के लिए किया जाता था। कुछ अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच चल रही है, जबकि कई लोगों को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया है।

नाबालिग के इस्तेमाल का आरोप

जांच में यह गंभीर आरोप भी सामने आया है कि जिस लड़की को पीड़ित से मिलवाया गया था, वह सुमन की नाबालिग बेटी थी। पुलिस का कहना है कि उसे कथित तौर पर शिकार को फंसाने के लिए इस्तेमाल किया गया।फिलहाल पुलिस इस पूरे नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है और अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

मुख्य धारा से जुड़ेंगे सूरत से रेस्क्यू किए गए बाल श्रमिक, एसपी पहुंची किशोर सुधार गृह, बच्चे परिजनों को सुपुर्द



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 29 मई। मानव तस्करी विरोधी यूनिट उदयपुर की ओर से गुजरात के सूरत शहर में कार्रवाई करते हुए रेस्क्यू किए गए 70 बाल श्रमिक मुख्य धारा से जुड़ेंगे। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ अमृता दुहन ने शुक्रवार को चित्रकूट नगर स्थित किशोर सुधार गृह पहुंच कर इन बच्चों से मुलाकात की। साथ ही इनके परिजनों को बुलवाकर काउसलिंग कर बच्चों को सुपुर्द किया गया।

किशोर सुधार गृह में बच्चों से संवाद के बाद पुलिस अधीक्षक डॉ दुहन मीडिया कर्मियों से मुखातिब हुई। डॉ दुहन ने बताया कि रेस्क्यू किए गए बच्चों में सभी 14 वर्ष से कम आयु के हैं।

इन्हें सूरत में बाल श्रम के लिए ले जाया गया था। सूचना पर मानव तस्करी निरोधी टीम ने सूरत पुलिस के साथ समन्वय कर उन्हें मुक्त कराया। सुरत पुलिस ने नियोक्ता के खिलाफ प्रकरण भी दर्ज किया है, जिसकी जांच चल रही है। एसपी ने बताया कि इन बच्चों को रेस्क्यू कर उदयपुर के किशोर सुधार गृह में रखा गया था। वहां उनके परिजनों को बुलवाकर उनकी भी समझाइश की गई। अब इन बच्चों को शिक्षा सहित सरकार की विभिन्न योजनाओं से जोड़ने के लिए पुलिस विभाग की पहल पर बाल अधिकारिता विभाग और स्वयंसेवी संगठन प्रयासरत हैं।एसपी ने कहा कि बाल श्रम एवं मानव तस्करी एक गंभीर सामाजिक अपराध है तथा इस प्रकार की गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने अभिभावकों से भी बच्चों की सुरक्षा एवं शिक्षा के प्रति जागरूक रहने की अपील की।

इस दौरान बाल अधिकारिता विभाग से के के चंद्रवंशी, किशोर सुधार गृह की अधीक्षक सहित पुलिस अधिकारी, बाल कल्याण समिति से जुड़े सदस्य एवं परिजन मौजूद रहे।

संपादकीय : सीमा की सुरक्षा

पाकिस्तान की ओर से भारतीय सीमा में घुसपैठ और इससे जुड़ी आतंकवाद की समस्या ने भारत को किस स्तर तक नुकसान पहुंचाया है, यह छिपा नहीं है। हालांकि सीमा पर तैनात सुरक्षा बल के जवान अपनी ओर से पूरी कोशिश करते हैं कि पाकिस्तानी ठिकानों से भारत में घुसपैठ करने वालों को रोकें, गिरफ्तार करें या फिर जरूरत पड़ने पर उन्हें निशाना बनाया जाए। विडंबना यह है कि आज भी सीमा पर भारत को अक्सर घुसपैठ और आतंकी हमलों का सामना करना पड़ता है। इसकी एक बड़ी वजह सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था के तार और निगरानी का तंत्र अपेक्षित स्तर पर मजबूत न होने को माना जाता रहा है। फिर सीमा पर स्थित रिहाइशी इलाकों में भी कई बार आतंकी सूत्रों से जुड़े लोगों की पहचान नहीं पाने के अपने जोखिम हैं। शायद यही वजह है कि गृहमंत्री अमित शाह ने साफ लहजे में पाकिस्तान सीमा के आसपास सुरक्षा के लिहाज से सख्त नीति अपनाने को कहा है। गौरतलब है कि राजस्थान के सीमावर्ती इलाके के आसपास के जिलों में सुरक्षा को लेकर गृहमंत्री अमित शाह ने उच्चस्तरीय बैठक में भारत और पाकिस्तान सीमा के आसपास चौतरफा सुरक्षा योजना के तहत कई अहम निर्देश दिए हैं। इसके मुताबिक, अब सीमा से पंद्रह किलोमीटर तक के क्षेत्र में हर अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी और शून्य सहनशीलता की नीति के तहत ऐसे निर्माणों को ध्वस्त किया जाएगा। इस सख्ती की वजह मुख्य रूप से राजस्थान के सीमाई इलाके के जिलों में घुसपैठ, मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगाना है। यह छिपा नहीं है कि सीमा से सटे क्षेत्र में पाकिस्तान की ओर से अलग-अलग रूप में होने वाली घुसपैठ अंतिम तौर पर भारत में आतंकवाद की जड़ों को मजबूत करती है। खासतौर पर सीमावर्ती इलाकों में अवैध रूप से रहने वाले कुछ लोग कई बार आतंकियों के लिए अप्रत्यक्ष सहायक के रूप में काम करते हैं। इनमें से कई लोग भ्रष्टाचार का सहारा लेकर न केवल स्थानीयता का फर्जी दस्तावेज बनवा लेते हैं, बल्कि संदिग्ध वित्तीय लेनदेन अवैध गतिविधियों और सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी में भी लिप्त होते हैं। यह अकारण नहीं है कि आतंकवाद के खिलाफ चलने वाले अभियान के सामने अक्सर आंतरिक मोर्चों पर खड़ी जटिलताएं एक बड़ी चुनौती होती हैं। दरअसल, पाकिस्तान स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करने वाले आतंकी संगठनों ने सीमावर्ती इलाकों में अपना नेटवर्क खड़ा करने के लिए स्थानीय आबादी में घुसपैठ करके अपनी जगह बनाने को एक ढांचे के रूप में विकसित किया है। इसके अलावा, वे कारोबारी प्रतिष्ठानों से संपर्क साध कर भी आतंकी संगठनों के वित्तपोषण का एक संजाल खड़ा करते हैं। पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को शह देने का मुद्दा कई बार अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भी उठ चुका है। भारत की ओर से लगातार चेतावनी और सख्ती के बावजूद सीमा पर घुसपैठ और आतंकवादी गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगा पाना अब तक संभव नहीं हो सका है। पिछले वर्ष पहलगाम में पर्यटकों पर हमले से लेकर आतंकी वारदात की एक लंबी श्रृंखला रही है। इस लिहाज से देखें, तो सीमावर्ती इलाकों में आतंकी तत्त्वों या उनके लिए सहयोगी के रूप में काम करने वाले तंत्र के खिलाफ सख्ती एक जरूरी कार्रवाई है।

जिंदगी का शायर

आम लोगों के जीवन के गहरे जख्मों को जीवंत शब्द देने वाले बशीर बद्र अब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन दिल को छू लेने वाली अपनी शायरी के लिए वे हमेशा याद किए जाएंगे। ये जितने सरल थे, उनकी रचनाओं में उतनी ही सादगी और सहजता थी। उनमें इस कदर भाव अभिव्यक्त होते थे कि हर किसी को उनकी पंक्तियां अपनी-सी लगती थीं। आधुनिक गजल के इस उस्ताद के रचना संसार में जिंदगी का हर वह लम्हा था, जिसे मनुष्य जीता है। बशीर बद्र अपने शब्दों में तन्हाई और पीड़ा को बखूबी उकेरते थे । वे चुभती जरूर थीं, मगर मन के किसी कोने दर्ज हो जाती थीं। वे अपनी शायरी में उस शहर को भी जीते रहे, जहां अजनबियत बढ़ती चली गई थी। उन्होंने नए मिजाज के शहर को वक्त रहते पहचान लिया था । वे संघर्ष भरे रास्ते से गुजरे और जिंदगी की शाम आने से पहले उन्होंने लोगों की जुबान पर चढ़ जाने वाली कालजयी पंक्तियां रचीं। बशीर साहब के मशहूर शेर में समाज के जटिल ताने-बाने के बीच जद्दोजहद करने का जज्बा दिखता है। उनमें जिंदगी के कई पाठ हैं। उनकी शायरी हमें जीने का रास्ता दिखाती है। हममें से न जाने कितने ऐसे लोग होंगे जो किसी न किसी मौके पर उनकी शायरी को याद करते रहे और उन्हें दोहराते रहे हैं। जीवन में संवेदनात्मक उतार-चढ़ाव के वक्त न जाने के कितने लोगों ने उनकी शायरी को अपना सहारा बनाया होगा। बशीर बद्र अपने जीवन में जिस मुकाम पर पहुंचे, वहां तक पहुंचना कोई आसान नहीं था। अपने दम पर उन्होंने पढ़ाई पूरी की और कालेज में लंबे समय तक पढ़ाया। हिंदी और फारसी पर उनकी गहरी पकड़ थी। वे उर्दू तक सीमित नहीं रहे । उनकी कई रचनाओं का अनुवाद हुआ और दुनिया भर में वे मशहूर हुई। कई बड़े पुरस्कारों से नवाजे गए बशीर हमेशा विनम्र रहे। दुनिया को मुसाफिरखाना मानने वाले बशीर बद्र के निधन से उनके प्रशंसक दुखी हैं। निस्संदेह उन्होंने एक ऐसी शख्सियत को खो दिया है, जिन्हें आधुनिक शायरी का नगीना माना गया। सच यह है कि बशीर बद्र एक ऐसे शायर थे, जिनके शब्द भावों की गहराई लेकर दिल्लों में धड़कते हैं।

निजी तस्वीरें, वीडियो सीडी, पेन ड्राइव, डिजिटल साक्ष्य केवल सीलबंद लिफाफे या पासवर्ड-लॉक इलेक्ट्रॉनिक फोल्डर में ही प्रस्तुत किए जा सकेंगे, हाईकोर्ट का आदेश



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक रिपोर्टेबल जजमेंट में यौन अपराधों से जुड़े मामलों में पीड़िता की निजी, अश्लील फोटो और वीडियो के उपयोग को लेकर सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने स्पष्ट कहा है कि ऐसे संवेदनशील डिजिटल साक्ष्य केवल सीलबंद लिफाफे या पासवर्ड-लॉक इलेक्ट्रॉनिक फोल्डर में ही प्रस्तुत किए जाएं। यह आदेश न्यायमूर्ति जस्टिस अनूप ढंढ की अदालत ने एक आपराधिक मामले की सुनवाई के दौरान दिया। अदालत ने टिप्पणी की कि वर्तमान समय में जमानत याचिकाओं, आपराधिक रिवीजन और अपील जैसे मामलों में आरोपी या पुलिस द्वारा पीड़िता की निजी तस्वीरें और वीडियो सीडी, पेन ड्राइव या खुले दस्तावेजों के रूप में पेश किए जा रहे हैं, जो गंभीर चिंता का विषय है। कोर्ट ने कहा कि इस तरह के साक्ष्य सार्वजनिक होने से उनके वायरल होने का खतरा रहता है, जिससे पीड़िता के वर्तमान जीवन, भविष्य और वैवाहिक जीवन पर गंभीर और अपूरणीय असर पड़ सकता है। अदालत ने इसे महिलाओं की गरिमा और गोपनीयता का स्पष्ट उल्लंघन बताया। अदालत ने यह भी कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत हर व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार प्राप्त है। लेकिन जब जांच प्रक्रिया ही अपमान का माध्यम बन जाए, तो वह अपने मूल उद्देश्य से भटक जाती है और न्याय प्रक्रिया स्वयं पीड़ा का कारण बन सकती है। कोर्ट ने कहा कि जब ट्रायल का स्वरूप सार्वजनिक शर्मिंदगी का कारण बनने लगे, तो यह संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है।

अदालत ने अपने आदेश में यह भी टिप्पणी की कि कई बार आरोपी या उनके वकील यह साबित करने के लिए कि संबंध सहमति से थे, निजी फोटो और वीडियो जांच अधिकारी या अदालत के समक्ष खुले तौर पर प्रस्तुत कर देते हैं, जिससे पीड़िता की पहचान उजागर होने का गंभीर खतरा पैदा होता है। इसी को ध्यान में रखते हुए हाईकोर्ट ने रजिस्ट्री को निर्देश दिए हैं कि यौन अपराधों से जुड़े सभी मामलों की सख्त स्क्रीनिंग की जाए, ताकि किसी भी स्थिति में नाम, पता, फोटो या सोशल मीडिया से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक न हो।

साथ ही रजिस्ट्रार न्यायिक को यह मामला प्रशासनिक स्तर पर मुख्य न्यायाधीश के समक्ष रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि पूरे राज्य के लिए एक समान स्टैंडिंग ऑर्डर जारी किया जा सके।

अदालत ने यह भी आदेश दिया कि रजिस्ट्रार जनरल सभी न्यायिक अधिकारियों को यह निर्देश भेजें और एसीएस होम, डीजीपी, पुलिस महानिदेशक, मुख्य विधि सचिव और अभियोजन विभाग को इसकी प्रति भेजकर सभी थानों के एसएचओ को सूचित किया जाए, ताकि जमीनी स्तर पर इसका सख्ती से पालन सुनिश्चित हो सके।

ऑडियो पर चित्तौड़गढ़ में कांग्रेस का हल्लाबोल, मंत्री दक के इस्तीफे की मांग तेज, कहा-एडिटेड ऑडियो है तो जांच हो कि किसने कराया???



24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ में सहकारिता मंत्री गौतम दक के कथित वायरल ऑडियो को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए मंत्री से सार्वजनिक माफी मांगने और तत्काल इस्तीफा देने की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान माहौल काफी गरमाया रहा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना था कि मंत्री पद पर बैठे व्यक्ति से संयमित भाषा और जिम्मेदार व्यवहार की अपेक्षा होती है, लेकिन वायरल ऑडियो में जिस तरह की कथित अभद्र भाषा सुनाई दे रही है, वह लोकतांत्रिक मर्यादाओं के खिलाफ है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि सत्ता के अहंकार में प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के प्रति इस तरह की भाषा पूरे सिस्टम को गलत संदेश देती है।

पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह जाड़ावत ने मंत्री के "ऑडियो एडिटेड" होने के दावे पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि ऑडियो से छेड़छाड़ हुई है तो सरकार को इसकी निष्पक्ष जांच करवानी चाहिए और यह भी सामने लाना चाहिए कि एडिटिंग किसने की। उन्होंने कहा कि किसी मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज होना अपने आप में गंभीर मामला है और संबंधित अधिकारी ने कानून के अनुसार कार्रवाई कर साहस दिखाया है। कानून सबके लिए बराबर होना चाहिए, चाहे वह आम नागरिक हो या मंत्री। जाड़ावत ने कहा कि पुलिस और प्रशासन शासन व्यवस्था की रीढ़ होते हैं। "अगर अधिकारी एक हाथ हैं तो कार्यकर्ता दूसरा हाथ हैं, दोनों के सहयोग से ही सरकार चलती है।" उन्होंने यह भी कहा कि जिन पुलिसकर्मियों के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल हुआ, वही पुलिसकर्मी मंत्री की सुरक्षा में तैनात रहते हैं, ऐसे में यह मामला केवल राजनीतिक नहीं बल्कि प्रशासनिक गरिमा से भी जुड़ा हुआ है। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग दोहराई।

स्कूल व्याख्याता भर्ती परीक्षार्थियों की सुविधा हेतु जयपुर-रेवाडी-जयपुर परीक्षा स्पेशल रेलसेवा का संचालन

Timings

09727 JP-RE Exam Special		Station	09728 RE-JP Exam Special	
Arr.	Dep.		Arr.	Dep.
--	19.10	JP	07.00	--
19.21	19.23	GADJ	06.10	06.12
19.30	19.32	GTJT	06.00	06.02
19.40	19.42	KWP	04.40	04.42
19.55	19.57	BAI	04.24	04.26
20.19	20.21	DO	04.00	04.02
21.00	21.02	BKI	03.36	03.38
21.15	21.17	BU	03.21	03.23
21.29	21.31	RHG	03.07	03.09
21.50	21.52	MKH	02.50	02.52
22.10	22.13	AWR	02.30	02.33
22.37	22.39	KRH	02.08	02.10
00.50	--	RE	--	01.30

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। रेलवे द्वारा राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित स्कूल व्याख्याता भर्ती परीक्षार्थियों की सुविधा हेतु जयपुर-रेवाडी-जयपुर परीक्षा स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री अमित सुदर्शन के अनुसार गाडी संख्या 09727, जयपुर-रेवाडी परीक्षा स्पेशल रेलसेवा दिनांक 31.05.26 से 03.06.26 तक (04 ट्रिप) जयपुर से 19.10 बजे रवाना होकर मध्यरात्रि 00.50 बजे रेवाडी पहुँचेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 09728, रेवाडी-जयपुर परीक्षा स्पेशल रेलसेवा दिनांक 01.06.26 से 04.06.26 तक (04 ट्रिप) रेवाडी से 01.30 बजे रवाना होकर 07.00 बजे जयपुर पहुँचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में गांधीनगर जयपुर, गैटोर जगतपुरा, खातीपुरा, बस्सी, दौसा, बांदीकुई, बसवा, राजगढ, मालाखेडा, अलवर व खैरथल स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इस रेलसेवा में 10 साधारण श्रेणी व 02 गार्ड डिब्बो सहित कुल 12 डिब्बे होगे।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com
wathsapp : 8852073787

पान के केबिनों में चोरी करने वाली गैंग का भंडाफोड़, 5 लाख की वारदात का खुलासा, 3 गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर के हाथीपोल थाना क्षेत्र में पंचवटी स्थित एक पान के केबिन में हुई करीब 5 लाख रुपये की चोरी के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है और वारदात में प्रयुक्त पावर बाइक भी जब्त कर ली गई है। पूछताछ में आरोपियों ने शहर में कुल 9 अलग-अलग चोरी की वारदातें करने की बात स्वीकार की है। यह पूरी कार्रवाई पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में चलाए जा रहे संपत्ति संबंधी अपराधों पर विशेष अभियान के तहत की गई। मामले की जांच एएसपी उमेश ओझा और वृताधिकारी वृत पश्चिम राजेश यादव के सुपरविजन में की गई। वहीं थाना हाथीपोल पुलिस की टीम में थानाधिकारी श्रीमती राजु देवी राज के निर्देशन में सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर तंत्र के आधार पर पूरे गिरोह का पर्दाफाश किया।

चोरी की वारदात कैसे हुई

प्रार्थी करण सिंह निवासी बड़ी, उदयपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि पंचवटी स्थित उनके "आशापुरा पान के केबिन" के ताले तोड़कर अज्ञात बदमाशों ने सिगरेट, गुटखा, तंबाकू और नकदी समेत करीब 5 लाख रुपये का सामान चोरी कर लिया। घटना के बाद हाथीपोल थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी जांच के साथ-साथ मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। इसके आधार पर संदिग्ध युवकों की पहचान कर उन्हें डिटेन किया गया।

जांच में सामने आया पूरा गिरोह

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि इस गिरोह के सदस्य भेरूलाल मीणा, प्रकाश मीणा और अनिल खराड़ी हैं। तीनों आरोपी मिलकर वारदात को अंजाम देते थे।

गिरफ्तार आरोपी इस प्रकार हैं—

भेरूलाल मीणा पुत्र प्रदीप मीणा, उम्र 21 वर्ष, निवासी पलोदड़ा, थाना जावर माईंस, जिला सलूम्बर, प्रकाश मीणा पुत्र सोमा मीणा, उम्र 23 वर्ष, निवासी पलोदड़ा, थाना जावर माईंस, जिला सलूम्बर, अनिल खराड़ी पुत्र मन्नालाल मीणा, उम्र 22 वर्ष, निवासी लराठी, थाना खेरवाड़ा, जिला उदयपुर

दिन में नौकरी, रात में चोरी की रेकी

पूछताछ में खुलासा हुआ कि तीनों आरोपी दिन में रेस्टोरेंट में काम करते थे और शाम के समय बाइक से शहर में घूमकर पान के केबिनों की रेकी करते थे। वे ग्राहकों की तरह केबिन पर जाकर सिगरेट-गुटखा खरीदने के बहाने अंदर रखे सामान का निरीक्षण करते थे। रात के समय ये आरोपी बैटरी चालित कटर मशीन और लोहे की आरी की मदद से केबिनों के ताले तोड़कर चोरी करते थे। चोरी का सामान बोरे और बैग में भरकर अपनी पावर बाइक से फरार हो जाते थे।

उदयपुर में 9 वारदातों का कबूलनामा

पुलिस पूछताछ में तीनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने उदयपुर शहर में अब तक कुल 9 चोरी की वारदातें की हैं। इनमें कई प्रमुख इलाके शामिल हैं— माली कॉलोनी, परशुराम चौराहा, सबसिटी सेंटर, सवीना, खेडा सर्कल, शोभागपुरा, मधुबन क्षेत्र, इन सभी स्थानों पर पान के केबिनों और छोटे दुकानों को निशाना बनाया गया।

चोरी का मकसद

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी मौज-मस्ती और पैसों की जरूरत पूरी करने के लिए लगातार चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे थे। किराए के मकान में रहकर तीनों शहर में अलग-अलग जगह काम भी करते थे।

पुलिस टीम की कार्रवाई

इस पूरी कार्रवाई में थाना हाथीपोल पुलिस की टीम सक्रिय रही, जिसमें थानाधिकारी श्रीमती राजु देवी राज सउनि शंभुसिंह, सउनि जितेन्द्र सिंह, सउनि मनोज कुमार, कानि. शैलेष कुमार, कानि. कैलाश रेबारी, कानि. भवानी शंकर तथा साइबर सेल के कानि. लोकेश रायकवाल शामिल रहे।

चित्तौड़गढ़ ओपन जेल से उम्रकैद का बंदी फरार, सुबह गिनती में खुला राज; पुलिस अलर्ट



24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़। जिला कारागृह के अधीन संचालित खुला बंदी शिविर यानी ओपन जेल से हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा एक बंदी फरार हो गया। बुधवार रात तक जेल परिसर में मौजूद बंदी गुरुवार सुबह गिनती के दौरान गायब मिला, जिसके बाद जेल प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। फरार बंदी की पहचान ललित उर्फ लालशंकर उर्फ लाला मीणा के रूप में हुई है, जो उदयपुर जिले के सराड़ा थाना क्षेत्र के नठारा बलात फला ऐडा खाबड़ा गांव का रहने वाला है।

कोतवाली थाने के एएसआई नवरंग ने बताया कि इस संबंध में जेल प्रहरी वेदराम चौधरी की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। रिपोर्ट के अनुसार ओपन जेल में रोजाना सुबह और शाम बंदियों की गिनती की जाती है। बुधवार शाम करीब 7 बजे हुई गिनती में ललित मीणा मौजूद था, लेकिन गुरुवार सुबह करीब 6 बजे जब दोबारा गिनती हुई तो वह गायब मिला।

पहले जेल प्रशासन को लगा कि संभवतः गिनती में कोई त्रुटि हुई होगी, इसलिए दोबारा बंदियों की पहचान और गिनती करवाई गई, लेकिन तब भी ललित मीणा का कोई पता नहीं चला। इसके बाद जेल प्रशासन ने आसपास के क्षेत्रों में तलाश शुरू की और अन्य बंदियों से पूछताछ की, मगर कोई सुराग हाथ नहीं लगा। आखिरकार कोतवाली थाने में मामला दर्ज कराया गया।

उप कारापाल ओंकार लाल जोशी ने बताया कि ओपन जेल में रहने वाले बंदियों को मजदूरी और अन्य काम के लिए सीमित दायरे में बाहर जाने की अनुमति होती है। ललित मीणा भी नियमित रूप से मजदूरी करने बाहर जाता था और उसका व्यवहार सामान्य था, इसलिए किसी को उस पर शक नहीं हुआ। संभावना जताई जा रही है कि वह सुबह मजदूरी पर जाने का बहाना बनाकर शिविर से निकल गया और फिर फरार हो गया।

जेल प्रशासन के अनुसार ओपन जेल में बंदियों को 5 से 7 किलोमीटर के दायरे में काम करने की छूट रहती है। इसी दौरान बंदी के भाग निकलने की आशंका जताई जा रही है। बताया गया कि फरार बंदी के पास मोबाइल फोन भी नहीं था, जिससे उससे संपर्क नहीं हो सका।

ललित उर्फ लाला मीणा के खिलाफ केलवा थाना में हत्या का मामला दर्ज था। एफआईआर नंबर 73/2015 से जुड़े इस मामले की सुनवाई अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश राजसमंद की अदालत में हुई थी। अदालत ने 18 दिसंबर 2019 को उसे भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत दोषी मानते हुए आजीवन कारावास और 10 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई थी।

सजा के बाद वह जेल में बंद था और बाद में अच्छे व्यवहार के आधार पर उसे ओपन जेल में शिफ्ट किया गया था। ओपन जेल में ऐसे बंदियों को रखा जाता है जिनका व्यवहार संतोषजनक माना जाता है और जिन पर जेल प्रशासन को भरोसा होता है।

घटना के बाद जेल प्रशासन और पुलिस दोनों अलर्ट मोड पर हैं। मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों को भेज दी गई है और कोतवाली थाना पुलिस फरार बंदी की तलाश में जुटी हुई है।

राजस्थान है तो मुमकिन है : जयपुर सेंट्रल जेल में फिर मिला मोबाइल, पूरा सिस्टम भ्रष्ट तो जेल कैसे बचेगा???



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। पूरा सिस्टम भ्रष्ट है, सड़ांध मार रहा है। जहां जिसको मौका मिल रहा है सिस्टम में छेद कर रहा है। ना कोई देखने वाला ना सुनने वाला। गलत करने वालों के लिए कोई पनिशमेंट नहीं है, जो पकड़े जाते हैं उनको हर बार सिस्टम बचा रहा है। फिर जेल भरा अपवाद क्यों रहे। जेलों के बाहर खड़े प्रहरी चाहे जितने चौकन्ने दिखें, लेकिन भीतर की दीवारें हर बार एक ही सवाल पूछती नजर आती हैं—आखिर जेल में मोबाइल पहुंचता कैसे है? क्या कोई मिस्टर इंडिया बनकर अदृश्य होकर आता है और चुपचार गायब हो जाता है। या फिर जेल के अंदर काम करने वाले लोग मिले हुए होते हैं जो पैसों के लालच में ये सब करते हैं। उससे भी बड़ा सवाल, हर बरामदगी के बाद भी वह चेहरा सामने क्यों नहीं आता जो इस पूरे खेल की असली कड़ी होता है। जयपुर की सेंट्रल जेल में एक बार फिर मोबाइल फोन मिलने की घटना ने जेल सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह कोई पहली घटना नहीं है, लेकिन हर बार की तरह इस बार भी कहानी वहीं आकर रुकती दिख रही है—मोबाइल मिल गया, मामला दर्ज हो गया, जांच शुरू हो गई। मगर जेल के भीतर यह प्रतिबंधित सामान पहुंचाने वाला नेटवर्क आखिर कब बेनकाब होगा, इसका जवाब अब भी फाइलों में कैद है।

जानकारी के अनुसार बुधवार शाम करीब 5:45 बजे जेल में नियमित तलाशी अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान वार्ड नंबर-9 की बैरक नंबर-4 के पीछे बने शौचालय के पास एक काले रंग का MTRM-26 मोबाइल फोन लावारिस हालत में पड़ा मिला। मोबाइल में सिम कार्ड नहीं था, जबकि बैटरी अलग से बरामद हुई। घटना के बाद जेल प्रशासन की ओर से लालकोठी थाने में मामला दर्ज कराया गया है। कारागृह प्रबंधक विजय सिंह ने रिपोर्ट सौंपते हुए बरामद सामग्री पुलिस के हवाले कर दी। अब पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि आखिर मोबाइल जेल परिसर तक पहुंचा कैसे और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं। हालांकि सवाल यह भी है कि हर बार जांच की सुई केवल "अज्ञात" तक ही क्यों घूमती रह जाती है। जेलों में मोबाइल मिलना अब अपवाद नहीं, बल्कि एक ऐसे समानांतर सिस्टम का संकेत बन चुका है, जहां बिना अंदरूनी मिलीभगत के कुछ भी संभव नहीं माना जाता। कैदियों तक मोबाइल पहुंचाने वाले हाथ आखिर किनके संरक्षण में काम करते हैं, यह रहस्य हर बरामदगी के बाद और गहरा होता जा रहा है। विडंबना यह है कि जिन पर जेल के भीतर अपराध रोकने की जिम्मेदारी है, शक की उंगलियां बार-बार उन्हीं दीवारों की ओर उठने लगती हैं। मगर हर बार की तरह इस बार भी सवालों के जवाब जांच पूरी होने तक टल गए हैं।

उदयपुर में युवती से दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग का मामला दर्ज, अश्लील फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी का आरोप

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले के प्रतापनगर थाना क्षेत्र में एक युवती के साथ दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मामला प्रतापनगर थाने में दर्ज किया गया है। रिपोर्ट में पीड़िता ने आरोप लगाया कि आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया और बाद में अश्लील फोटो एवं वीडियो वायरल करने की धमकी देकर लगातार ब्लैकमेल करता रहा। प्रकरण में पुलिस ने विक्रमसिंह पुत्र केसरसिंह चुण्डावत निवासी वाजमिया, तहसील मावली, जिला उदयपुर को नामजद आरोपी बनाया है। मामला भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(1) और 308(2) के तहत दर्ज किया गया है। मामले की जांच उप निरीक्षक रेणु खोईवाल को सौंपी गई है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच में जुटी है और पीड़िता के बयान सहित इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को भी खंगाला जा रहा है। इधर, घटना सामने आने के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। पुलिस का कहना है कि मामले में तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ईद मनाने गांव गया था परिवार, पीछे से सूने मकान पर चोरों का धावा; 2 लाख के जेवर और नकदी पार

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा। बांसवाड़ा शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में ईद के दौरान सूने पड़े मकान में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। मदारेश्वर रोड स्थित गली नंबर 13 में रहने वाला परिवार ईद मनाने अपने पैतृक गांव गया हुआ था। इसी का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने घर का ताला तोड़ा और अंदर रखे करीब 2 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवरात तथा 20 हजार रुपए की नकदी लेकर फरार हो गए।

घटना का खुलासा शुक्रवार सुबह तब हुआ जब पड़ोसियों ने मकान का मुख्य दरवाजा खुला देखा। इसके बाद तुरंत परिवार को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

पीड़ित मोहम्मद असलम ने बताया कि वह बुधवार शाम अपने परिवार के साथ मध्यप्रदेश के रतलाम जिले के अमरगढ़ स्थित पैतृक गांव में ईद मनाने गए थे। गुरुवार रात चोरों ने सूने मकान को निशाना बनाया। बदमाश मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर घर में घुसे और अलमारी के लॉक तोड़कर उसमें रखे जेवरात और नकदी चोरी कर ली। चोरी हुए सामान में सोने की बालियां, नाक के कांटे, अंगूठी, चांदी की पायजेब, चांदी के सिक्के और करीब 20 हजार रुपए नकद शामिल हैं। वारदात के बाद घर का सामान बिखरा पड़ा मिला, जिससे अंदेशा है कि चोरों ने पूरे घर को खंगाला।

शुक्रवार सुबह आसपास रहने वाले लोगों की नजर टूटे ताले और खुले दरवाजे पर पड़ी। इसके बाद उन्होंने मोहम्मद असलम को फोन कर घटना की जानकारी दी। दोपहर करीब 12 बजे परिवार घर पहुंचा तो घर का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए।

बारात निकलती उससे पहले पहुंच गई पुलिस, डूंगरपुर में नाबालिग दूल्हे का बाल विवाह रुकवाया



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। जिले के कुआ थाना क्षेत्र में प्रशासन और चाइल्ड हेल्पलाइन की सतर्कता से एक बाल विवाह को समय रहते रुकवा दिया गया। डूंगरसारण गांव में बारात निकलने की तैयारी चल रही थी, तभी बाल अधिकारिता विभाग, पुलिस और चाइल्ड हेल्पलाइन की संयुक्त टीम मौके पर पहुंच गई। जांच में दूल्हा कानूनी उम्र से कम पाया गया, जिसके बाद विवाह पर तत्काल रोक लगा दी गई। बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक डॉ. कल्पित शर्मा ने बताया कि चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 को गांव में बाल विवाह होने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही चाइल्ड हेल्पलाइन समन्वयक मेहुल शर्मा ने जिला प्रशासन और कुआ थाना पुलिस को अवगत कराया। इसके बाद तहसील चिखली, कुआ पुलिस और चाइल्ड हेल्पलाइन की संयुक्त टीम तत्काल गांव पहुंची। मौके पर पहुंचने पर टीम ने पाया कि विवाह की तैयारियां अंतिम चरण में थीं और बारात रवाना होने की तैयारी चल रही थी। अधिकारियों ने दूल्हे के दस्तावेजों की जांच की, जिसमें उसकी उम्र 20 वर्ष 2 माह सामने आई। भारतीय कानून के अनुसार लड़के की शादी की न्यूनतम आयु 21 वर्ष निर्धारित है। उम्र कम होने पर अधिकारियों ने विवाह रुकवाते हुए परिवार को कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी।

कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने दूल्हे के माता-पिता को बाल विवाह निषेध कानून की जानकारी दी और भविष्य में निर्धारित आयु से पहले विवाह नहीं करने के लिए पाबंद किया। प्रशासन ने लोगों से अपील की कि बाल विवाह जैसी कुप्रथा की सूचना तुरंत प्रशासन या चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

उदयपुर सेंट्रल जेल में बंदी का हमला, कारापाल से कॉलर पकड़कर मारपीट का आरोप

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। केंद्रीय कारागृह उदयपुर में एक बंदी द्वारा जेल कारापाल पर हमला करने का मामला सामने आया है। घटना के बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया और संबंधित बंदी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया है। जानकारी के अनुसार घटना 28 मई की सुबह केंद्रीय कारागृह परिसर में हुई। रिपोर्ट के मुताबिक बंदी सत्येन्द्र कुमार ने जेल प्रशासन से अपने स्थानांतरण को लेकर बातचीत की थी। उसने कारापाल से कहा कि उसने एक दिन पहले स्थानांतरण के लिए प्रार्थना पत्र दिया था, इसलिए जल्द कार्रवाई की जाए। कारापाल ने बंदी को समझाते हुए बताया कि उसका आवेदन मुख्यालय भेजा जा रहा है और उसकी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। इसी दौरान कारापाल का ध्यान रिपोर्ट बुक की ओर गया, तभी दंडित बंदी शशी भारती पुत्र रामा भारती ने अचानक उन पर हमला कर दिया। आरोप है कि बंदी ने कारापाल का कॉलर पकड़ लिया और उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। घटना के बाद जेल स्टाफ ने स्थिति संभाली। मामले में जेल प्रशासन की ओर से सूरजपोल थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 121(1) और 132 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच सहायक उप निरीक्षक तेजसिंह को सौंपी गई है। घटना ने जेल सुरक्षा और बंदियों की निगरानी व्यवस्था को लेकर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बच्चों के विवाद ने लिया हिंसक रूप, घर में घुसकर मारपीट और तोड़फोड़ का आरोप

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सूरजपोल थाना क्षेत्र के खड़कजी का चौक, खांजीपीर इलाके में बच्चों के बीच हुए मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। एक महिला ने पड़ोसियों पर घर में घुसकर मारपीट, तोड़फोड़ और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज करवाया है। पुलिस के अनुसार परिवादिया अफसाना पत्नी रियाज खान, निवासी खांजीपीर ने रिपोर्ट में बताया कि 27 मई की रात करीब 11 बजे आरोपी उनके घर में घुस आए। बच्चों की बात को लेकर शुरू हुए विवाद के दौरान आरोपियों ने परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की और घर में तोड़फोड़ की। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने नबीना, नौसिका और अफसाना सहित अन्य लोगों के साथ लात-घूंसों से मारपीट की। वहीं नबीना के सिर पर सब्जी बनाने वाले कुकर से हमला करने का भी आरोप लगाया गया है। मामले में पुलिस ने इकबाल, इरफान, सेहजादी, रफीकन, मुस्कान, अफरीन और इकतर को नामजद आरोपी बनाया है। सूरजपोल थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 333, 115(2), 126(2) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रकरण की जांच सहायक उप निरीक्षक नरेश कुमार को सौंपी गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए निगरानी बढ़ा दी गई है।

ऑपरेशन त्रिनेत्रः प्रतापगढ़ पुलिस का नशा माफिया पर महाप्रहार, दो बड़े तस्करों की 3.20 करोड़ की संपत्ति फ्रीज, काली कमाई से अर्जितवआलीशान मकान, जमीन और ट्रैक्टर जब्त



24 न्यूज अपडेट

जयपुर 29 मई। मादक पदार्थों की तस्करी और काले कारोबार से संपत्ति अर्जित करने वाले नशा तस्करों के खिलाफ प्रतापगढ़ जिला पुलिस ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। जिला पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य के कुशल निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की सख्त धारा 68-F(1) के तहत मादक पदार्थों की तस्करी से अवैध रूप से खड़ी की गई कुल 03 करोड़ 20 लाख रुपये की चल-अचल संपत्तियों को फ्रीज करने की विधिक कार्रवाई की है।

प्रतापगढ़ थानाधिकारी शंभुसिंह द्वारा तैयार किए गए संपत्ति फ्रीजिंग के दोनों प्रस्तावों को भारत सरकार द्वारा अधिकृत कंपिटेंट अथॉरिटी व एडमिनिस्ट्रेटर सफेमा (SAFEMA) नई दिल्ली ने स्वीकार करते हुए फ्रीजिंग आदेश प्रस्तावित कर दिए हैं। तस्कर शैफुल्ला शेख की 1.55 करोड़ की अचल संपत्ति कुर्क ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत पहली बड़ी कार्रवाई कुख्यात मादक पदार्थ तस्कर शैफुल्ला शेख के खिलाफ की गई। नवंबर 2025 में छोटीसादड़ी थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक बिना नंबरी मोटरसाइकिल से करीब 4.5 किलोग्राम से अधिक घातक एमडी जब्त की थी। जांच में सामने आया कि यह खेप अजमेर पहुंचाने के लिए मुख्य सप्लायर बसाड़ निवासी शैफुल्ला शेख ने दी थी। लंबे समय से फरार चल रहे शातिर शैफुल्ला को पुलिस टीम ने जनवरी 2026 में गिरफ्तार कर जेल भिजवाया था।

पिता की जमीन पर खड़ा किया था आलीशान महल, कृषि भूमि भी जब्त

गिरफ्तारी के बाद एसपी बी. आदित्य के मार्गदर्शन में गठित पुलिस की विशेष वित्तीय जांच टीम ने तस्कर शैफुल्ला की गोपनीय संपत्तियों को चिन्हित किया। वित्तीय विश्लेषण में खुलासा हुआ कि आरोपी ने नशे के कारोबार से होने वाली काली कमाई के माध्यम से अपने स्वयं के नाम पर गांव बसाड़ में 0.42 हेक्टेयर कृषि भूमि खरीदी थी, जिसका अनुमानित बाजार मूल्य 55 लाख है। इसके अलावा, उसने अपने पिता के कब्जे वाली जमीन पर 01 करोड़ की भारी-भरकम लागत से एक आलीशान कोठी का निर्माण करवाया था। पुलिस ने इन दोनों संपत्तियों पर विधिक जब्ती के बोर्ड चस्पा कर दिए हैं।

मेवाड़-वागड़ के बड़े सप्लायर भूरालाल लबाना की 1.65 करोड़ की संपत्ति फ्रीज

इसी अभियान के तहत दूसरी बड़ी कार्रवाई प्रतापगढ़ के संचई गांव में पलटे हुए एक इसुजु वाहन से दिसंबर 2023 में बरामद किए गए 492 किलोग्राम से अधिक अवैध डोडाचूरा के मामले में की गई। इस बड़े रैकेट की कड़ियां अखेपुर निवासी भूरालाल लबाना से जुड़ी थीं, जिसने यह माल तस्करों को सप्लाई करने के लिए भरवाया था। पुलिस ने आरोपी भूरालाल को गिरफ्तार कर उसकी वित्तीय जांच शुरू की तो उसकी करोड़ों की संपत्तियों का भंडाफोड़ हुआ।

पत्नी के नाम आवासीय भूखंड और बेटे के नाम खरीदा था कीमती ट्रैक्टर

वित्तीय जांच टीम ने पाया कि शातिर तस्कर भूरालाल लबाना ने पुलिस और कानूनी एजेंसियों से बचने के लिए अपनी अवैध काली कमाई को परिवार के नाम पर निवेश किया था। उसने प्रतापगढ़ शहर के मुख्य अरनोद रोड पर अपनी पत्नी केसर बाई के नाम से 0.25 हेक्टेयर का एक कीमती आवासीय भूखंड खरीदा, जिसकी वर्तमान बाजार कीमत 01 करोड़ है। इसके अलावा गांव झांसड़ी में पत्नी के नाम पर ही 55 लाख मूल्य की 0.42 हेक्टेयर कृषि भूमि और अपने पुत्र सुनील लबाना के नाम पर 10 लाख कीमत का एक आधुनिक कुबोटो कंपनी का ट्रैक्टर खरीदा था। पुलिस ने इन तीनों चल-अचल संपत्तियों को पूरी तरह फ्रीज कर दिया है।

आपराधिक रिकॉर्डः- पकड़ा गया अभियुक्त शैफुल्ला शेख आदतन और शातिर प्रकृति का अंतर-राज्यीय अपराधी है, जिसके खिलाफ प्रतापगढ़, हथुनिया, धोलापानी और नीमच (मध्य प्रदेश) के थानों में मादक पदार्थों की अवैध तस्करी के गंभीर मामले, जोधपुर के रातानाडा और प्रतापगढ़ थाने में अवैध हथियारों व घातक कारतूसों की तस्करी व सप्लाई के 5 से अधिक मुकदमे, रंठाजना थाने में महिला को अगवा करने और आपराधिक साजिश रचने का मामला तथा प्रतापगढ़ थाने में जेल के भीतर निरुद्ध रहने के दौरान कारागृह अधिनियम के तहत अवैध सामग्री रखने का ताजा मामला दर्ज है।

अस्पताल की लापरवाही का खौफनाक चेहरा: मरीज को चढ़ा दी एक्सपायरी ड्रिप, हंगामे के बाद हटाई गई बोतल



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। जिन अस्पतालों पर जिंदगी बचाने की जिम्मेदारी होती है, वहीं अगर एक्सपायरी दवाइयां मरीजों की नसों में उतरने लगें तो सवाल सिर्फ लापरवाही का नहीं, पूरे सिस्टम की संवेदनहीनता का बन जाता है। डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज के श्रीहरिदेव जोशी जिला अस्पताल में ऐसा ही चौंकाने वाला मामला सामने आया, जहां महिला सर्जिकल वार्ड में भर्ती एक महिला मरीज को दो महीने पुरानी एक्सपायरी डेट की ड्रिप चढ़ा दी गई। मामला तब खुला जब महिला के पति और नगर परिषद के निवर्तमान पार्षद नरेश यादव सुबह अस्पताल पहुंचे। पत्नी अपेक्षा यादव को चढ़ रही ड्रिप पर नजर पड़ते ही वे सन्न रह गए। ड्रिप पर मार्च 2026 की एक्सपायरी डेट दर्ज थी, जबकि मरीज को वह मई के अंतिम सप्ताह में चढ़ाई जा रही थी। यानी अस्पताल के स्टॉक से सीधे एक्सपायर हो चुकी दवा मरीज तक पहुंच गई। जानकारी के अनुसार राजपुर निवासी अपेक्षा यादव को पेट में तेज दर्द की शिकायत के बाद 27 मई को अस्पताल लाया गया था। जांच में डॉक्टरों ने अपेंडिक्स की समस्या बताते हुए ऑपरेशन की तैयारी के लिए महिला सर्जिकल वार्ड में भर्ती कर लिया। परिवार रातभर अस्पताल में मौजूद रहा, जबकि पति देर रात छोटी बच्ची के घर पर अकेले होने के कारण कुछ समय के लिए घर चले गए थे। शुक्रवार सुबह जब नरेश यादव वापस अस्पताल पहुंचे तो उन्होंने देखा कि पत्नी को सोडियम क्लोराइड ग्लूकोज की ड्रिप चढ़ाई जा रही है। ड्रिप पर लिखी एक्सपायरी डेट देखते ही उन्होंने तुरंत नर्सिंग स्टाफ और अस्पताल प्रशासन से शिकायत की। आरोप है कि शिकायत के बाद स्टाफ ने आनन-फानन में ड्रिप हटाने की कोशिश शुरू कर दी। घटना के बाद अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया। उप अधीक्षक डॉ. कोस्तुभ सिंह ने मामले को गंभीर बताते हुए जांच कमेटी गठित करने की बात कही है। उनका कहना है कि मरीज की स्वास्थ्य जांच करवाई गई है और फिलहाल उसकी स्थिति सामान्य है। साथ ही यह पता लगाया जा रहा है कि एक्सपायरी ड्रिप स्टॉक में कैसे बनी रही और किस स्तर पर लापरवाही हुई। अस्पताल प्रशासन अब एक्सपायरी डेट वाले मेडिकल स्टॉक की भी जांच करवा रहा है। वहीं पीड़ित परिवार ने साफ कहा है कि यदि महिला की तबीयत पर किसी तरह का प्रतिकूल असर पड़ता है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी अस्पताल प्रबंधन की होगी। यह घटना एक बार फिर सरकारी अस्पतालों की व्यवस्थाओं पर बड़ा सवाल खड़ा कर रही है। आखिर मरीजों की जान बचाने वाले वार्डों में एक्सपायरी दवाएं पहुंच कैसे रही हैं? और सबसे बड़ा सवाल—अगर एक पार्षद की पत्नी के साथ यह हो सकता है, तो आम मरीज कितने सुरक्षित हैं?

फर्जी खेल प्रमाण पत्र से सरकारी नौकरी का खेल: ताइक्वांडो सर्टिफिकेट घोटाले में एक और गिरफ्तारी



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। सरकारी नौकरी पाने की होड़ में अब खेल प्रमाण पत्र भी सौदेबाजी का जरिया बनते जा रहे हैं। राजस्थान में फर्जी ताइक्वांडो प्रमाण पत्रों के जरिए शिक्षक भर्ती में चयन हासिल करने के मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया है कि खेल कोटे से नौकरी पाने के लिए लाखों का नेटवर्क सक्रिय था, जहां नकली नेशनल लेवल सर्टिफिकेट खुलेआम बेचे जा रहे थे। एसओजी के एडीजी विशाल बंसल ने बताया कि वर्ष 2022 की तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती (लेवल-1) में खेल कोटे के तहत चयन पाने के लिए फर्जी ताइक्वांडो प्रमाण पत्रों का उपयोग किया गया। जांच के दौरान खुलासा हुआ कि दो गुना चयन सूची में शामिल 38 अभ्यर्थियों ने नेशनल स्तर की प्रतियोगिताओं के फर्जी प्रमाण पत्र जमा किए थे। जांच एजेंसियों को यह भी पता चला कि ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया, धनबाद (झारखंड) के नाम से मिलती-जुलती फर्जी ईमेल आईडी बनाकर प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय बीकानेर को फर्जी सत्यापन रिपोर्ट भेजी गई थी। इसी आधार पर भर्ती प्रक्रिया में प्रमाण पत्रों को सही साबित करने का प्रयास किया गया। मामले में एसओजी थाने में धोखाधड़ी, कूटरचना और आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच जारी है। प्रकरण में गिरफ्तार आरोपी भभूताराम उर्फ रणजीत विश्नोई निवासी बाड़मेर पर आरोप है कि उसने दलाल सतीश डूल के जरिए करीब एक लाख रुपए में फर्जी खेल प्रमाण पत्र की डील की थी। एसओजी के अनुसार आरोपी ने तीन वर्ष पहले 15 हजार रुपए नकद देकर फर्जी प्रमाण पत्र हासिल किया और उसे चयन समिति के सामने प्रस्तुत कर सरकारी नौकरी पाने की कोशिश की। एसओजी ने आरोपी को 26 मई को गिरफ्तार किया था। गुरुवार को उसे अदालत में पेश किया गया, जहां से 30 मई तक पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। चौंकाने वाली बात यह भी है कि आरोपी पहले से एक अन्य मामले में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहा था। उस पर शारीरिक शिक्षक भर्ती परीक्षा-2022 में अपने छोटे भाई की जगह डमी अभ्यर्थी बैठाकर परीक्षा दिलाने का भी आरोप है। अब तक इस मामले में 38 नामजद अभ्यर्थियों में से 21 अभ्यर्थियों सहित फर्जी ईमेल आईडी तैयार करने वाले, दलालों और फर्जी खेल प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने वाले कुल 28 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। शेष आरोपियों की तलाश जारी है। यह मामला एक बार फिर भर्ती प्रक्रियाओं की पारदर्शिता और खेल प्रमाण पत्र सत्यापन व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

बढ़ती महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, पेट्रोल-डीजल और गैस कीमतों को लेकर केंद्र सरकार पर साधा निशाना



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। लगातार बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल की कीमतों और रसोई गैस के दामों में हो रही वृद्धि को लेकर उदयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने गुरुवार को विरोध प्रदर्शन किया। दिल्ली गेट चौराहे स्थित शांति आनंदी स्मारक के बाहर आयोजित प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आमजन को राहत देने की मांग उठाई। प्रदर्शन राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और उदयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष फतह सिंह राठौड़ के निर्देश पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व बी ब्लॉक अध्यक्ष अजय सिंह ने किया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी का सीधा असर आम जनता की रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ रहा है। परिवहन महंगा होने से खाद्य सामग्री सहित अन्य आवश्यक वस्तुओं के दाम भी लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे मध्यम वर्ग और गरीब परिवार सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि रसोई गैस के बढ़ते दामों ने घरेलू बजट बिगाड़ दिया है और आम परिवारों के लिए रसोई चलाना मुश्किल होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते महंगाई पर नियंत्रण नहीं किया गया तो आम आदमी का जीवन और अधिक संकटपूर्ण हो जाएगा। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार से पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बढ़ी हुई कीमतें तत्काल वापस लेने तथा आमजन को राहत देने की मांग की। उदयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री दिनेश कुमार दवे ने बताया कि इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष सुरेश श्रीमाली पूर्व विधायक त्रिलोक पूर्बिया राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री गोपाल कृष्ण शर्मा महामंत्री एवं प्रवक्ता पंकज कुमार शर्मा राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव दिनेश श्रीमाली वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरीश शर्मा, के के शर्मा,डा.कल्याण सिंह राव, भरत आमेटा,ब्लॉक अध्यक्ष सोमेश्वर मीणा शहर जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष बतूल हबीब ,मोहम्मद अयूब , दलपत सिंह चुंडावत सुधीर जोशी महामंत्री राजेश जैन सुनील रॉजर्स,राजेंद्र दशोरा,तीरथ सिंह खेरोलिया चंदा सुवालका, राजेन्द्र शर्मा मंडल अध्यक्ष मयंक खमेसरा,राकेश खोखावत, महेश धन्नावत,सत्यनारायण टांक, श्याम सुंदर गुर्जर,ऋतुराज मिश्रा यशवंत पालीवाल अमित सुवालका शहर जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव अमित श्रीवास्तव सिद्धार्थ सोनी,पार्षद गौरव प्रताप सिंह हिदायतुल्लाह ब्लॉक संगठन महासचिव सूर्य प्रकाश उपाध्याय धर्मेंद्र राजोरा पर्यावरण प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रतिक नागर अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ अध्यक्ष देवेंद्र माली महिला कांग्रेस नेता दुर्गा सालवी,नजमा मेवाफरोश बंशीलाल गवारिया नितेश जैन गोविंद सक्सेना कौशर परवीन नितेश सर्राफ प्रमोद वर्मा,जगदीश जलानिया,सुभाष नागला,गणेश लाल शर्मा,मदन बाबरवाल,महिमा चुग, राजेश पवार ,अशोक तंबोली सहित ब्लॉक एवं शहर कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

न्यूरो मेडसेफ-एन टूल को मिला भारत सरकार का कॉपीराइट, उदयपुर के वैज्ञानिक शोध को राष्ट्रीय सम्मान



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर के शोधकर्ताओं ने चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। भूपाल नोबल्स कॉलेज ऑफ फार्मेसी और अनंता मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के संयुक्त शोध प्रयास से विकसित "न्यूरो मेडसेफ-एन" को भारत सरकार के कॉपीराइट कार्यालय से आधिकारिक कॉपीराइट प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि न केवल दोनों संस्थानों बल्कि उदयपुर के अकादमिक और चिकित्सा जगत के लिए भी गौरव का विषय मानी जा रही है। "न्यूरो मेडसेफ-एन" एक विशेष रिस्क असेसमेंट टूल है, जिसे न्यूरोलॉजी मरीजों को दी जाने वाली दवाओं से होने वाले संभावित दुष्प्रभावों और जोखिमों के वैज्ञानिक मूल्यांकन के लिए तैयार किया गया है। यह टूल एविडेंस बेस्ड स्कोरिंग, क्लिनिकल डॉक्यूमेंटेशन और वैलिडेशन डेटा पर आधारित है, जिससे अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों में दवा सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। शोध परियोजना में भूपाल नोबल्स कॉलेज ऑफ फार्मेसी के डॉ. ऋषि माहेश्वरी और डॉ. भक्तराज सिंह चौहान ने प्रमुख भूमिका निभाई, जबकि अनंता मेडिकल कॉलेज के डॉ. मुकेश गर्ग ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। परियोजना से जुड़े विद्यार्थियों अनमोल पटेल, गौरी दोशी, आरती शर्मा, आस्था जैन, कौशिक तंबोली और अनिल सुरेश मिस्त्री ने भी शोध कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई। भूपाल नोबल्स कॉलेज ऑफ फार्मेसी के प्राचार्य डॉ. पुष्पेंद्र सिंह नरुका ने इस उपलब्धि पर शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उदयपुर में चिकित्सा अनुसंधान और फार्माकोविजिलांस के क्षेत्र में नई संभावनाओं का मार्ग खोलेगी। उन्होंने कहा कि "न्यूरो मेडसेफ-एन" भविष्य में विभिन्न अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों में रोगी सुरक्षा और दवा प्रबंधन प्रणाली को मजबूत करने में उपयोगी साबित होगा। उपलब्धि पर यूनिवर्सिटी प्रेसिडेंट डॉ. सी. एस. चौहान, डीन फार्मेसी डॉ. वाई. एस. सारंगदेवोत और छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. कमल सिंह राठौड़ ने भी शोध टीम को शुभकामनाएं देते हुए इसे संस्थान और प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

राजनीति का अखाड़ा : भूमि विकास बैंक चुनाव में हो गया बवाल| भाजपा-कांग्रेस नेताओं में गर्मा-गर्मी, भारी हंगामा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर जिला सहकारी भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष चुनाव के दौरान आज राजनीतिक माहौल पूरी तरह गर्मा गया। कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों के नामांकन दाखिल होते ही भाजपा नेताओं ने चुनाव प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर दिए। देखते ही देखते बैंक परिसर में भारी हंगामे की स्थिति बन गई। चार दिन पहले हुए संचालक मंडल चुनाव में 12 में से अधिकांश सीटों पर कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों की जीत के बाद आज शीर्ष पदों के लिए चुनाव प्रक्रिया चल रही थी। कांग्रेस की ओर से पूर्व बैंक अध्यक्ष मथुरेश नागदा ने अध्यक्ष पद और करण सिंह ने उपाध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया। इसी दौरान दोपहर करीब 12 बजकर 10 मिनट पर भाजपा समर्थक और वरिष्ठ नेता चुनाव स्थल पर पहुंचे। भाजपा नेताओं ने कांग्रेस प्रत्याशियों की पात्रता को लेकर कड़ा विरोध जताया। कुछ ही देर में दोनों दलों के समर्थक आमने सामने आ गए और माहौल तनावपूर्ण हो गया। स्थिति बिगड़ती देख मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करना पड़ा। हंगामे के बीच निर्वाचन अधिकारी विनोद कुमार कोठारी के सामने भाजपा नेता ललित सिंह सिसोदिया, सन्नी पोखरना और नीरज सामर ने आपत्ति दर्ज कराई। वहीं कांग्रेस की ओर से मथुरेश नागदा, दिनेश श्रीमाली, गौरव प्रताप सिंह सहित कई नेता भी निर्वाचन कक्ष में पहुंच गए, जिससे माहौल और गर्मा गया। निर्वाचन अधिकारी ने सख्त रुख अपनाते हुए भाजपा नेताओं से कहा कि वे अपनी आपत्ति नियमानुसार लिखित में प्रस्तुत करें। इसके बाद भाजपा की ओर से लिखित आपत्ति दी गई, जिसमें आरोप लगाया गया कि कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार ऋणी नहीं हैं, इसलिए वे अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के लिए पात्र नहीं माने जा सकते। भाजपा नेताओं ने इस दौरान सेशन कोर्ट से जुड़ी पूर्व आपत्ति का भी हवाला दिया। दूसरी ओर बैंक परिसर के बाहर भी राजनीतिक हलचल चरम पर रही। कांग्रेस की तरफ से पूर्व देहात जिलाध्यक्ष लालसिंह झाला, पूर्व मंत्री डॉ. मांगीलाल गरासिया, विवेक कटारा, श्यामलाल चौधरी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। जबकि भाजपा समर्थक भी लगातार नारेबाजी करते दिखाई दिए। फिलहाल निर्वाचन अधिकारी ने भाजपा की लिखित आपत्ति को रिकॉर्ड पर लेते हुए जांच शुरू कर दी है। साथ ही निष्पक्ष प्रक्रिया बनाए रखने के लिए सभी नेताओं और समर्थकों को निर्वाचन कक्ष से बाहर जाने के निर्देश दिए गए हैं।

बिजली-पानी संकट के खिलाफ फूटा गुस्सा, कांग्रेस ने किया विरोध, दिया ज्ञापन



24 न्यूज अपडेट

सलूम्बर। भीषण गर्मी में ग्रामीण इलाकों में अघोषित बिजली कटौती और पेयजल संकट ने हालात बदतर कर दिए हैं। पेट्रोल, डीजल, गैस और रोजमर्रा की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों ने आमजन की कमर तोड़ दी है। हालात से नाराज कांग्रेस कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के नाम प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर तत्काल राहत की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि जिले के कई गांवों में बिजली आपूर्ति का कोई तय समय नहीं रह गया है। बार-बार लाइन ट्रिप होने और घंटों बिजली गुल रहने से घरों के साथ खेती और पेयजल व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। ट्यूबवेल बंद पड़ने से गांवों में पानी का संकट और गहरा गया है। कई जगह लोगों को पीने के पानी के लिए दूर-दूर तक भटकना पड़ रहा है, जबकि पशु-पक्षियों के लिए भी हालात गंभीर बने हुए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद विद्युत विभाग और प्रशासन केवल आश्वासन दे रहा है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा। ग्रामीणों का कहना है कि दिन में तेज गर्मी और रात में बिजली कटौती ने लोगों की नींद और दिनचर्या दोनों बिगाड़ दी है। इधर लगातार बढ़ती महंगाई ने भी लोगों की परेशानियां कई गुना बढ़ा दी हैं। पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की कीमतों में वृद्धि का असर सीधे आम आदमी की जेब पर पड़ रहा है। कई इलाकों में ईंधन की अनियमित उपलब्धता से वाहन चालकों को भी परेशानी झेलनी पड़ रही है। रसोई गैस के बढ़ते दामों और पर्याप्त आपूर्ति नहीं होने से ग्रामीण परिवारों का बजट बिगड़ गया है। कई घरों में महिलाएं फिर से लकड़ी और कोयले के चूल्हों पर खाना बनाने को मजबूर हो रही हैं। ज्ञापन में मांग की गई कि अघोषित बिजली कटौती पर तत्काल रोक लगाई जाए, पेयजल आपूर्ति सुचारु की जाए और बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण कर आमजन को राहत दी जाए। चेतावनी दी गई कि यदि जल्द समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो व्यापक जन आंदोलन शुरू किया जाएगा।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।